आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 46 अंक 50 (प्रति रविवार) इंदौर, 03 सितम्बर से 09 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

चंद्रयान चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पहुंच गया, कांग्रेस राहुलयान 20 सालों से लॉन्च ही नहीं हुआ

शिवराज ने मप्र को बताया विकसित राज्य, नीमच सहित मालवा को बताया मप्र का इंजन

नीमच। कुछ पार्टियों ने भानमती का कुनबा बना लिया है। 28 पार्टियों का का गठबंधन बना, नाम दिया इंडिया। ये लोग गर्त में डूबने जा रहे हैं। आज भारत सूरज और चांद पर जा रहा है। चंद्रयान-3 चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंच गया, लेकिन कांग्रेस का राहुलयान 20 सालों से लॉन्च ही नहीं हुआ। यह बात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जन आशीर्वाद यात्रा के शुभारम्भ कार्यक्रम में कही। भाजपा द्वारा प्रदेश में जनता से आशीर्वाद लेने के लिए 5 जन आशीर्वाद यात्रा निकाली जा रही है। नीमच से सोमवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, भाजपा वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय उपस्थित थे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं आपके मुख्यमंत्री के भाषण को सुन रहा था। आपके मामा शिवराज सिंह चौहान राजनीति के धोनी हैं। ये न शुरुआत अच्छी करते हैं फिनिशिंग भी अच्छी करते हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, शिवराज सिंह चौहान ने जनता की सेवा की है इसलिए वे जन-जन के नेता हैं। नीमच सहित मालवा का पूरा क्षेत्र मध्यप्रदेश का इंजन माना जाता है। शिवराज सिंह चौहान ने सीएम रहते हुए क्या किया है क्या नहीं किया वो आप अच्छी तरह जानते हैं। उनके दिल में

गरीबों के लिए संवेदना हैं। उन्होंने बीमारू राज्य को विकसित राज्य बना दिया। आपने कांग्रेस का मुख्यमंत्री भी देखा है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश की जनता की सेवक की तरह सेवा की है।

कोरोना काल में हमारे पीएम ने चुनौती को स्वीकार किया रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने तेजी से आगे बड़ा है। 23 देशों के सर्वे में आधे से अधिक देशों ने स्वीकारा है कि, भारत दुनिया का नेतृत्व करने में तेजी से आगे बड़ा है। कोरोना काल में हमारे पीएम ने चुनौती को स्वीकार किया। पीएम ने अपने देश के वैज्ञानिकों का हौसला बुलंद किया और देश में वैक्सीन तैयार हुई। यह करिश्मा है पीएम मोदी का। हम केवल अपने देश को ही नहीं पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। 100 से अधिक देशों को हमने वैक्सीन भिजवाई।

देश की अर्थव्यवस्था में मप्र का योगदान 4.8 प्रतिशत-रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मध्यप्रदेश की तरक्की की बात करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है, इसमें मध्यप्रदेश का भी बहुत बड़ा योगदान है। 2003 से पहले मध्यप्रदेश की जीडीपी 71 हजार 594 करोड़ थी, जो आज 13 लाख 82 हजार करोड़ हो गई है। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश का योगदान लगभग 3 प्रतिशत था, जो आज बढकर 4.8 प्रतिशत हुआ है। जो भारत पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था के आकार में 10 नंबर पर था वो भारत आज 5वें स्थान पर आ गया है, पीएम मोदी के नेतृत्व में ये करिश्मा हुआ है।

कांग्रेस हर चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा देती है-राजनाथ सिंह ने कहा, मोदी जी ने मध्यप्रदेश में 2 लाख आवास स्वीकृत किये थे। लेकिन कमलनाथ ने इसे लागू नहीं किया। पुरानी योजना को बंद कर दिया और केंद्र की योजना को रोक दिया। शायद ही कोई सरकार इतनी असंवेदनशील हो सकती है जो कहे की हम मकान बनाएंगे ही नहीं। ये कांग्रेस हर चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा देती है लेकिन गरीब, गरीब रहता चला गया। अभी नीति आयोग की रिपोर्ट आई है कि, मोदी जी के नेतृत्व में 13 करोड़ लोग गरीबी के बहार निकल गए। अब शायद ही भारत में कोई अति गरीब हो।

मैं कमलनाथ नहीं हूं जो कह दे, क्या करें हमारे पास पैसा ही नहीं-शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जिनके नेतृत्व में आज भारत की सैन्य शक्ति मजबूत हुई है ऐसे देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मध्यप्रदेश की धरती पर हार्दिक स्वागत करता हूँ। किसान भाइयों से कहना चाहता हूँ कि बारिश नहीं होने से फसलों पर संकट खड़ा हो गया है, प्रदेश में अच्छी वर्षा के लिए आज मैनें महाकाल महाराज से प्रार्थना की है। किसान भाइयों, चिंता मत करना भाजपा सरकार तुम्हारे हर संकट में साथ खड़ी है, बारिश नहीं होने के संकट से भी आपको बाहर निकालकर ले जाएगी। मैं कमलनाथ नहीं हूँ जो कह दे, क्या करें हमारे पास पैसा ही नहीं है। सीएम शिवराज ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस ने एक कुनबा जोड़ा है, जिनके नेता सनातन को खत्म करने की बात कहकर हिंदू धर्म का अपमान कर रहे हैं। क्या इस तरह के गठबंधन देश का भला कर सकते हैं! मेडम सोनिया गांधी जी क्या सनातन को खत्म करने के लिए ही आपने गठबंधन बनाया है? सनातन को कोई खत्म नहीं कर सकता।

मुकेश अंबानी ने सिर्फ 2 घंटे में कमाए 14 हजार करोड़!

मुंबई,। मुकेश अंबानी की नई कंपनी जियो फाइनेंशियल बीएसई से डीलिस्ट हो गई है। कंपनी अब केवल नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार कर रही है। सोमवार को जियो फाइनेंशियल के शेयर में 110 मिनट यानी सिर्फ दो घंटे में 9 फीसदी का उछाल आया। इस तेजी के चलते इस कंपनी को मार्केट कैप में 14 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है. इस मुनाफे के साथ कंपनी के शेयरों ने रिकॉर्ड कायम कर दिया. कंपनी के शेयर एनएसई पर 262 रुपये पर लिस्ट हुए. जिसके बाद कंपनी के शेयर लगातार गिर रहे थे. रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम के बाद कंपनी के शेयरों में बढ़त देखी गई। जियो फाइनेंशियल के शेयरों में सोमवार को 9 फीसदी की तेजी आई। कंपनी के शेयर 110 मिनट में लिस्टिंग प्राइस 266.95 रुपये को पार कर नई ऊंचाई पर पहुंच गए। लिस्टिंग के दिन कंपनी के शेयरों का नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 262 रुपये की कीमत पर कारोबार हुआ।

पीएम मोदी ने एक भी दिन छुट्टी नहीं ली,2014 में संभाली थी सत्ता, तबसे लगातार काम कर रहे, आरटीआई से खुलासा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद से पिछले 9 सालों में एक भी दिन छुट्टी नहीं ली है। सरकार ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में यह बात कही है। जानकारी में कहा है, पीएम हर समय ड्यूटी पर रहते हैं।

असम के सीएम ने शेयर किया जवाब-पुणे के आरटीआई एक्टिविस्ट प्रफुल सारदा ने पीएमओ में आरटीआई दायर कर यह जानकारी मांगी थी। आरटीआई का जवाब पीएमओ के अवर सचिव परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जवाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंट्र्ल पब्लिक इनफॉर्मेशन ऑफिसर (सीपीआईओ) हैं। जवाब को असम के सीएम हेमंता बिस्वा सरमा ने पर शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा 2016 में इसी तरह

की एक आरटीआई का भी ऐसा ही जवाब मिला था। उस समय एक आरटीआई आवेदक ने देश के प्रधानमंत्री और कैबिनेट सचिवालय से छुट्टी नियमों और प्रक्रियाओं की एक प्रति मांगी थी। पीएमओ ने जवाब में कहा था प्रधानमंत्री को हर समय ड्यूटी पर कहा जा सकता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने की थी मोदी की तारीफ-विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में बताया था कि पीएम कैसे काम करते हैं। बैंकॉक में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा था, मुझे लगता है कि इस समय पीएम मोदी जैसा व्यक्ति होना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। और मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि वह आज के पीएम हैं और मैं उनके मंत्रिमंडल का सदस्य हूं।

उन्होंने कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि जब आपके सामने सदी में एक बार होने वाली स्वास्थ्य चुनौती (कोरोना) होती है, तो केवल वही व्यक्ति जो इतना जमीन से जुड़ा हो, कह सकता है कि ठीक है स्वास्थ्य संबंधी चुनौती है। लेकिन काम से घर जाने वाले व्यक्तियों के लिए क्या किया जाएगा, आप उन्हें खिलाने के लिए क्या करेंगे, आप उनके खाते में पैसे कैसे डालेंगे, महिलाएं पैसे का बेहतर प्रबंधन करेंगी, यह किसी के मन में नहीं आया होगा?

संपादकीय

7 शहरों में 7 लाख अनबिके मकान

भारत के 7 बड़े शहरों में 2022 के दिसंबर माह में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 7 लाख से अधिक मकान बिना बिके हुए बिल्डरों के पास हैं। यह मकान मध्य एवं निम्नवर्गीय परिवारों के लिए बनाए गए थे। पिछले वर्षों में मकान की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। आम आदमी की क्रय शक्ति इन मकानों को खरीदने की नहीं बची है। बैंक से कर्ज लेकर ब्याज चुकाने की हैसियत भी मध्यम वर्ग की नहीं होने से बिल्डरों के पास देश के कई शहरों में लाखों की संख्या में मकान खाली पड़े हैं। ठीक इसके विपरीत एक स्थिति और है कि लोगों ने बैंक से लोन लेकर बिल्डरों को पैसा दे दिया है। बिल्डर उन्हें कब्जा नहीं दे पा रहे हैं। जिन लोगों ने बिल्डरों के यहां पर फ्लैट बुक किए थे, वह हर माह बैंक को किस्त भर रहे हैं। ब्याज भी चुका रहे हैं। किराया भी उन्हें देना पड़ रहा है। उन्हें 5 से 7 साल बीत जाने के बाद भी फ्लेट का कब्जा नहीं मिल पा रहा है। 2000 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में रियल स्टेट पर निवेश बढ़ा था। बैंकों से मकान के लिए कर्ज मिलने लगे थे। हर साल लाखों की संख्या में लोग कर्ज लेकर फ्लैट और मकान ले रहे थे। कोविड के बाद रियल एस्टेट में मंदी देखने को मिल रही है। 2021 के बाद से लगभग 53 फ़ीसदी फ्लैट और मकान की मांग कम हो गई है। एक करोड़ से ज्यादा कीमत के मकान की मांग जरूर बढ़ी है। मध्यम और निम्न वर्ग अब मकान लेने की स्थिति में नहीं रहा। 2016 के बाद से रियल एस्टेट में जीएसटी एवं अन्य टैक्स बड़े पैमाने पर बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण फ्लेट और मकानों की कीमतें 30 फीसदी तक बढ़ गई हैं। जिसके कारण निम्न वर्ग के लिए जो फ्लैट 4 से 5 लाख रुपए में प्रधानमंत्री आवास योजना में बनना था। उसकी कीमतें भी काफी बढ़ गई है। बिल्डरों ने बड़े-बड़े मल्टी स्टोरी में फ्लैट तो बना दिए हैं। लेकिन इनको खरीदने वाले सामने नहीं आ रहे हैं। बिना बिके हुए मकान बेचने के लिए और हाउसिंग में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार को कम कीमत के फ्लैट और मकान के टैक्स घटाने होंगे। किफायती दर पर लोगों को मकान उपलब्ध कराना होगा। इनका ब्याज भी कम होगा, तभी अनबिके मकानों को बेचना संभव हो सकेगा।

श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में सृष्टि के कुशल महाप्रबन्धक हैं

ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण राष्ट्रनायक हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण ऊंहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैनेजमेंट के अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख-शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है- कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय-यह उचित प्रबंधन से ही संभव है।

भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ-साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय-नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ-साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ-साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा। वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते-बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे, कठिन स्थितियों को पार कर पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे।

श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन-गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब-जब अनीति बढ़ जाती है, तब-तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान-पान को लेकर सजग थे। उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध-दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को 'कर' के रूप में कंस को देने से रोका। वे चाहते थे कि इन चीजों का उपभोग गांवों में ही हो। श्रीकृष्ण का माखनचोर वाला रूप दरअसल निरंकुश सत्ता को सीधे चुनौती तो था ही, लेकिन साथ ही साथ ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देना भी था। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

पीक ऑवर्स में वकीलों ने किया ट्रैफिक संचालन

मिशन ट्रैफिक कंट्रोल- नियम का पालन करें, चालान से बचें

इंदौर। पलासिया चौराहे पर पीक ऑवर्स में ट्रैफिक का संचालन वकीलों ने किया। हाथों में तख्ती लिए वकीलों ने हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट लगाने की अपील की। जिन लोगों ने हेलमेट पहना और सीट बेल्ट लगा रखा था, उनके लिए स्टॉप पर खड़े यात्रियों से तालियां भी बजवाईं। इंदौर अभिभाषक संघ और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्यों ने 2 घंटे तक चौराहों पर लोगों को यातायात के नियम भी समझाए।

वकीलों ने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों को दूर कर चालानी कार्रवाई से बचा जा सकता है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज शर्मा, इंदौर अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्रकुमार वर्मा, प्रवीण रावल, अमित पाठक, एमएस चौहान, निमेष पाठक, मनीष गड़कर, राजन कालदाते, अजहर मिर्जा, गौरव अध्यारू, अर्पित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे। ट्रैफिक पुलिस के अफसर सुनील तिवारी, सुमंत चौहान और सिविल डिफेंस के सदस्यों ने भी लोगों को ट्रैफिक नियमों की समझाइश दी। अधिवक्ता सूरज शर्मा, सुरेंद्रकुमार वर्मा ने कहा- हेलमेट और सीट बेल्ट लगाकर चलने की आदत डालेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, चालानी कार्रवाई से बचेंगे।

उषा ठाकुर को कहां से लडाएगी बीजेपी ?

इंदौर। प्रदेश सरकार की मंत्री उषा ठाकुर जो कि महू से. विधायक है, का इस बार महू में विरोध हो रहा है। लेकिन उनके अब तक का राजनीतिक इतिहास बताता है कि वे कभी भी अपनी जीती हुई सीट से दुबारा चुनाव में नहीं लड़ी ! हर बार उन्हें नया क्षेत्र दिया जाता है और वे विजयी होती हैं। उषा ठाकुर ने अपने राजनीतिक जीवन में तीन विधानसभा चुनाव लड़े हैं। और जीते भी। भाजपा में फायर ब्रांड नेता की पहचान मानी जाने वाली उषा ठाकुर ने तीनों चुनाव अलग-अलग सीटों से लड़े हैं। सन 2003 में उषा ठाकुर ने पहली बार भाजपा के टिकट पर इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 से विधानसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के विधायक रामलाल यादव (भल्लू यादव) को पराजित किया था. लेकिन 2008 में उन्हें टिकिट नहीं दिया गया। लेकिन 2013 में उषा ठाकुर को इंदौर विधानसभा क्षेत्र 3 से बीजेपी ने उम्मीदवार बनाया और यहां पर भी उषा ठाकुर ने पिछले 15 सालों से कांग्रेस के विधायक रहे अश्विन जोशी शिकस्त दी. फिर 2018 में बीजेपी ने विधानसभा 1 और 3 दोनों को छोड़ कर उषा ठाकुर को महू से मैदान में उतारा। नया क्षेत्र होने के बावजूद भी ठाकुर ने महू विधानसभा में कांग्रेस के कद्दावर नेता अंतर सिंह दरबार को तकरीबन 6000 मतों से हराया। यही वजह रही कि 2020 में जब शिवराज सिंह चौहान ने दोबारा सरकार बनाई तो उषा ठाकुर को उनके मंत्रिमंडल में जगह दी गई लेकिन 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले ही उषा ठाकुर का महू विधानसभा में बाहरी प्रत्याशी बना कर विरोध सामने आ गया। इसके पोस्टर भी चस्पा किए गए। अब देखना ये होगा की पार्टी उन्हें किस विधानसभा सीट से आजमाएगी? क्योंकि उषा ठाकुर हर बार नई सीट से चुनाव लड़ती है और जीतती आई हैं।

हुकमचंद मिल, ब्याज के मुद्दे पर कैबिनेट में होगा फैसला, दी जानकारी

शासन ने हाई कोर्ट में बताया, अब सुनवाई 11 सितंबर को

मजदूरों का भुगतान निकट भविष्य में होने की संभावना बढ़ी

इंदौर। हुकमचंद मिल के 5895 मजदूर और उनके स्वजन के लिए सोमवार को हाई कोर्ट से राहत भरी खबर आई है। कोर्ट में चल रही याचिका में शासन ने जानकारी दी कि मजदूरों के मुआवजे की राशि पर ब्याज का मुद्दा कैबिनेट की मीटिंग में रखा जाएगा। यह मीटिंग इसी सप्ताह में हो जाएगी। अन्य सभी पक्षकारों से बकाया भुगतान को लेकर चर्चा हो गई है। शासन की ओर से दी गई इस जानकारी के बाद मजदूरों का भुगतान निकट भविष्य में होने की संभावना बढ़ गई है। मामले में सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

12 दिसंबर 1991 को हुकमचंद मिल बंद होने के बाद से मिल के 5895 मजदूर और स्वजन अधिकार के लिए भटक रहे हैं। वर्षों पहले हाई कोर्ट ने मजदूरों के पक्ष में 229 करोड़ रुपये मुआवजा तय किया था, लेकिन इसमें से 174 करोड़ रुपये अब तक मजदूरों को नहीं मिले हैं। नगर निगम और हाउसिंग बोर्ड मिल में हाउसिंग और कमर्शियल प्रोजेक्ट लाने को तैयार हैं। हाउसिंग बोर्ड मिल के मजदूरों के बकाया 174 करोड़ रुपये देने को भी तैयार है, लेकिन मिल के मजदूर मिल बंद होने से लेकर मिल का कब्जा परिसमापक को सौंपे जाने की अवधि का ब्याज दिलवाए जाने की मांग कर रहे हैं। सोमवार की सुनवाई के बाद मजदूरों को जल्द भुगतान होने की उम्मीद बढ़ी है। अन्य लेनदारों से हो गई है चर्चा = मजदूरों की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट धीरजसिंह पवार ने बताया कि सोमवार को शासन ने कोर्ट में यह जानकारी भी दी है कि उसने मिल के अन्य लेनदारों से उनके बकाया भुगतान को लेकर चर्चा कर ली है। सिर्फ मजदूरों के ब्याज का मुद्दा निबटाना बाकी है।

AICTSL की बसों में अभिभाषकों के लिए रियायती दरों पर पास बनवाने की सुविधा उपलब्ध करवाने की मांग

इन्दौर। इन्दौर अभिभाषक संघ इन्दौर के अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने अटल इन्दौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड बोर्ड के अध्यक्ष पुष्यमित्र भार्गव से मांग की है कि अटल इन्दौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड द्वारा संचालित बसों में अभिभाषकों के लिए भी विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों की तरह रियायती दरों पर पास बनवाने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। गौरतलब है कि अटल इन्दौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड द्वारा संचालित सिटी बसों में वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और दिव्यांगों को शुल्क में छूट प्रदान की जा रही है। इन्दौर शहर के लोगों में निजी वाहन से आना-जाना करने की मानसिकता के बजाय सार्वजनिक वाहनों से आना-जाना करने की मानसिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिटी बसों में महिलाओं, विद्यार्थियों, दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों की तरह अभिभाषकों को भी शुल्क में छूट प्रदान करना चाहिए। इसलिए अभिभाषक संघ ने अटल इन्दौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड बोर्ड के अध्यक्ष श्री पुष्यमित्र भार्गव से मांग की है कि अभिभाषकों को शुल्क में छूट प्रदान करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें।

बजरंग दल 17 सितंबर को निकालेगा शौर्य यात्रा

इंदौर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के मालवा प्रांत के 28 जिलों के कार्यकर्ता 17 सितंबर को दशहरा मैदान पर एकत्रित होंगे। इस दौरान शौर्य यात्रा भी निकाली जाएगी। इसमें महापुरुषों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। सभा को विहिप के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अलोककुमार संबोधित करेंगे। प्रचार प्रमुख गन्नी चौकसे ने बताया कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर. का निर्माण कार्य चल रहा है। जनवरी में मंदिर में भगवान रामलला स्थापित होंगे। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा प्रत्येक प्रांत में शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही है। इंदौर में यात्रा दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर महाराणा प्रताप प्रतिमा चौराहा, गंगवाल बस स्टैंड, राज मोहल्ला, जवाहर मार्ग अहिल्या प्रतिमा राजवाड़ा होते हुए मालवा मिल चौराहा से बीआरटीएस रोड से शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाप्त होगी इससे पहले 10 सितंबर को सभी प्रखंड स्तर पर चारों जिलों द्वारा भी यात्रा निकाली जाएगी।

नए अंदाज में मनाया शिक्षक दिवस

इंदौर (नप्र)। शहर में शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, इसी कड़ी में जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में नए अंदाज में शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमें एक ही मंच पर विद्यार्थी अपने शिक्षकों के साथ रैंप वॉक करते हुए नजर आए और अपने इस अटूट रिश्ते को सम्मान दिया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय सभ्यता व संस्कृति के अनुरूप शिक्षकों के प्रति आदर भाव को व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुतियां दी, जिसमें गीत, नृत्य, भाषण व नाटक पेश किए गए। प्राचार्या नलिनी पाठक ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ रैंप वॉक कर गुरु शिष्य के इस अनूठे रिश्ते को सम्मान दिया है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफके सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

महाकौशल और विंध्य क्षेत्र से तय होगी सत्ता की राह

68 विधानसभा सीटों के लिए भाजपा और कांग्रेस ने लगाया पूरा दम

भोपाल। *मप्र की राजनीति में महाकौशल और विंध्य का क्या महत्व है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन दोनों क्षेत्रों की 68 सीटों पर चुनावी रुझान को अपने पाले में करने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने अपने दिग्गज नेताओं को दांव पर लगा दिया है। तभी तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पहले ही चरण में यहां आ चुके हैं। दरअसल, माना जाता है की महाकौशल और विंध्य क्षेत्री की 68 सीटें सत्ता की राहत तय करती हैं। इसलिए दोनों पार्टियों ने इन सीटों का जीतने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया है।*

मप्र में महाकौशल और विंध्य ऐसे क्षेत्र हैं, जो सत्ता दिलाने में पार्टियों की काफी मदद करते हैं। इसी वजह से विगत चुनाव से भाजपा और कांग्रेस को यह समझ में आ गया है कि महाकौशल और विंध्य में जिसका पलड़ा भारी होगा सत्ता उसी के पास होगी। यहां की 68 विधानसभा सीटों पर चुनावी रुझान अपने पक्ष में करने के लिए दोनों ही पार्टियों के दिग्गज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पहले ही चरण में यहां आ चुके हैं। इससे तय हो चुका है कि यहां कांटे का मुकाबला होने वाला है। पिछले चुनाव (वर्ष 2018) में विंध्य में भाजपा और महाकौशल में कांग्रेस आगे रही थी।

68 सीटों पर टिकी रहेंगी सभी की नजर

महाकौशल और विंध्य की 68 सीटों पर चुनावी रुझान को अपने पाले में करने के लिए दोनों ही पार्टियां दिग्गज नेताओं को बुला रही है। तभी तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पहले ही चरण में यहां आ चुके हैं। इसी से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पर कांटे की भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर होने वाली है। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में

विंध्य में भाजपा और महाकौशल में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा। विंध्य की 30 सीटों में से भाजपा के पाले में 24 आई, जबकि महाकौशल में कांग्रेस ने 38 में से 24 सीटों पर कब्जा किया था। महाकौशल में दूसरे नंबर पर रही भाजपा ने 13 विधानसभा क्षेत्रों में जीत दर्ज की थी तो विंध्य में कांग्रेस केवल छह सीटें ही जीतने में कामयाब हुई। अगर दोनों पार्टियों का महाकौशल और विंध्य का संयुक्त प्रदर्शन देखा जाएं तो भाजपा ने कांग्रेस को सात सीटों से पीछे छोड़ दिया था। कुल 68 सीटों में से भाजपा को 37 और कांग्रेस को 30 सीटें प्राप्त हुई थीं। इस क्षेत्र से एक निर्दलीय ने चुनाव बाद भाजपा का दामन थामा था। मौजूदा समय में चुनावी परिदृश्य को देखा जाए तो महाकौशल और विंध्य की एक-एक सीट महत्वपूर्ण है। इसी वजह से तो चुनाव से लगभग तीन माह पूर्व ही यहां पर चुनावी संग्राम शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहडोल और रीवा का दौरा किया है, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सतना प्रवास हो चुका है। वहीं, कांग्रेस से प्रियंका गांधी वाड्रा जबलपुर से चुनावी शंखनाद कर ही चुकी हैं। जल्द ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शहडोल से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत कर सकते हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है यह क्षेत्र

महाकौशल और विंध्य से बना राजनीतिक माहौल प्रदेश की न केवल सामान्य बल्कि सभी आरक्षित सीटों पर भी दिखाई देगा। इस क्षेत्र में एसटी के लिए 22 और एससी के लिए पांच सीटें आरक्षित हैं। खासतौर पर आदिवासी वर्ग के मतदाताओं की बात करें तो मंडला, डिंडौरी और शहडोल जिले ऐसे हैं, जहां की सारी सीटें इसी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। स्पष्ट है कि ऐसे जिलों से बनी लहर केवल महाकौशल और विंध्य ही नहीं, पूरे प्रदेश में असर दिखाती है। इन तीन जिलों में कुल आठ सीटें आती हैं जो फिलहाल भाजपा और कांग्रेस में आधी-आधी बंटी हुई हैं।

चुनावी तैयारियों में सबसे आगे बसपा

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में बसपा सबसे आगे दिखाई दे रही है। पार्टी ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों का एलान कर दिया है। साल 2013 में बसपा से शीला त्यागी रीवा के मनगवां से और ऊषा चौधरी सतना के रैगांव से चुनावी मुकाबला जीता था। ऐसे में बसपा अपने पुराने वोट बैंक की तलाश में जुटी हुई है। इस क्षेत्र में कभी भाजपा और कांग्रेस को छोडक़र बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का प्रभाव हुआ करता था, लेकिन पिछले विधानसभा में बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का पूरी तरह से सफाया हो गया। बालाघाट जिले की वारासिवनी सीट से महज एक निर्दलीय प्रदीप जायसवाल ने बाजी मारी थी। हालांकि, बाद में वो भाजपा के पाले में आ गए थे। विंध्य और महाकौशल क्षेत्र से दोनों ही प्रमुख दलों भाजपा और कांग्रेस को जीत की आस है इसलिए कोई भी दल यहां कसर बाकी नहीं रखना चाहता। अगर दूसरे नंबर के नेताओं की सभाओं और चुनावी दौरों की तुलना करें तो यहीं मुख् मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख् मंत्री कमल नाथ की सबसे ज्यादा सभाएं हुई हैं। शिवराज तो लगभग हर पखवाड़े में इस क्षेत्र में आ रहे हैं। वहीं, शहडोल, सिंगरौली, अनूपपुर और उमरिया में पड़ोसी राज् छत्तीसगढ़ की चुनावी हलचल का प्रभाव भी दिखाई देगा। यही वह आदिवासी बेल्ट है, जहां पर भाजपा और कांग्रेस दोनों की ही नजरें हैं।

बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी शाह की

38 विधानसभा सीटों वाले महाकौशल में भाजपा इस बार बढ़त बनाने की कोशिश में लगी है। इसके लिए भाजपा के दिग्गज नेता लगातार क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। अब पार्टी ने रणनीति बनाई है कि जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से स्थिति मजबूत की जाए। इसके लिए पार्टी ने अपने सबसे बड़े रणनीतिकार अमित शाह को जिम्मेदारी दी है। शायद भाजपा की चुनाव रणनीति के नीति-नियंता यह जानते भी हैं कि अगर प्रदेश में सरकार बनानी है तो महाकौशल को जीतना ही होगा इसलिए भाजपा में चुनावी रणनीति के महारथी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को महाकौशल लाया जा रहा है। वे मंडला से पांच सितंबर को जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर एक तरह से चुनावी बिगुल बजा देंगे। वर्ष-2018 के चुनाव के बाद अगर भाजपा की सरकार नहीं बनी थी तो इसके पीछे उसका महाकौशल अंचल में पीछे रह जाना भी कारण रहा था। हालांकि भाजपा ने डेढ़ साल बाद सरकार तो बना ली लेकिन पार्टी को हमेशा इस बात का अफसोस रहेगा कि महाकौशल में वह उपचुनावों के बाद भी आगे नहीं निकल पाई। अमित शाह के प्रस्तावित दौरे के गहरे अर्थ हैं। दरअसल, यह महाकौशल का वही बेल्ट है, जहां पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने करारी मात खाई थी। यहीं एसटी के लिए 13 सीटें आरक्षित हैं। इस बार भाजपा कोई कमी नहीं रखना चाहती। तभी तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद सबसे बड़े स्टार प्रचारक अमित शाह को इस क्षेत्र पार्टी के चुनाव प्रचार की शुरुआत करने के लिए लाया जा रहा है। यहां से निकला संदेश महाकौशल के साथ विंध्य में भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाने का काम करेगा। अब साफ हुआ है कि अमित शाह खुद यहां आकर चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। इसके लिए पार्टी ने मंडला का चयन किया है। जिले की तीनों सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। पार्टी ने यहां से जन आशीर्वाद यात्रा शुरू करने का फैसला इसलिए किया ताकि पूरे आदिवासी क्षेत्र में पार्टी के समर्थन में माहौल बनाया जा सके। अगर मंडला के आसपास की सीटों की बात करें तो डिंडौरी जिले की दोनों, सिवनी की चार में से दो, जबलपुर की आठ में से एक और बालाघाट की छह में एक सीट इसी वर्ग के लिए आरक्षित है। यही नहीं, महाकौशल और विंध्य में एसटी के लिए कुल 22 सीटें हैं। यानी इन सीटों पर बढ़त राज्य में सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

कांग्रेस के भंवर में, फॅस गई भाजपा!

भोपाल। आखिर भाजपा सत्ता और संगठन ने मिलकर ऐसा क्या किया कि, जो पार्टी के पुराने दिग्गज एवं खांटी नेता एक के बाद एक पार्टी को अलविदा कहते जा रहे हैं। भाजपाई राजनीति के संत एवं पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के सुपुत्र पूर्व मंत्री दीपक जोशी से भाजपा को अलविदा कहने का शुरू हुआ सिलसिला भंवरसिंह शेखावत तक आ पहुंचा है। शेखावत कांग्रेस के हो गए। सिलसिला अभी थमा नहीं है। भाजपा के दिग्गज नेता सत्यनारायण सत्तन के पास भी कांग्रेस से प्रस्ताव आया है। बताते हैं कि, उन्हें कमलनाथ की ओर से भाजपा की अयोध्या कहीं जाने वाली इंदौर की विधानसभा क्रमांक- चार से टिकट का आफर दिया गया है। हालांकि, सत्यनारायण सत्तन ने कांग्रेस के प्रस्ताव को ये कहकर ठुकरा दिया है कि फिलहाल उनकी चुनाव लड़ने की कोई इच्छा नहीं है।

भाजपाई राजनीति के संत एवं पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के सुपुत्र दीपक जोशी के बाद अब भाजपा के दिग्गज नेता भंवर सिंह शेखावत कांग्रेस परिवार का हिस्सा हो गए हैं। शेखावत भाजपा में तीखे एवं बेबाक राजनीतिक तेवरों के लिए जाने जाते थे। भाजपा सत्ता-संगठन ने जरूर कोई ऐसे गहरे जख्म दिए हैं, जिसकी वजह से उन्हें भाजपा से किनारा करना पड़ा है। वो भी ऐसे समय में जबकि मध्यप्रदेश में भाजपा का बोलबाला है। शेखावत ने सदैव तेवरों की राजनीति की। वे इन्दौर के ही नहीं, मालवा अंचल के उन पुराने नेताओं में शुमार रहे हैं, जिनके जरिए पहले पार्टी ने जनसंघ का सफर तय किया और उसके बाद भाजपा को ताकत देने के साथ उसे मालवा अंचल में स्थापित किया। विधानसभा क्रमांक पांच से शेखावत विधायक रह चुके हैं। बाद में उन्होंने इंदौर से सटे धार जिले के विधानसभा क्षेत्र बदनावर को अपनी राजनीति की कर्मभूमि बना लिया। शेखावत वहां से भी विधायक रहे और इस बार भी बदनावर से ही टिकट मांग रहे थे। भाजपा उन्हें आश्वस्त नहीं कर सकी, नतीजे में शेखावत ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस भरोसे के साथ कि उन्हें बदनावर से कांग्रेस लड़ाएगी।

शेखावत सदैव अपने अलग अंदाज और अलग राजनैतिक कार्यशैली के लिए भाजपा में पहचाने जाते थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजवर्गीय जैसे नेता भी उन्हीं की देन हैं। शेखावत कैलाश विजयवर्गीय के राजनीतिक गुरू हैं। शेखावत की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा विपक्ष में रहते बीता है । लेकिन उनके तेवरों की वजह से पार्टी ने विपक्ष में रहकर भी तत्कालीन सत्तारूढ़ कांग्रेस में हमेशा धमक और दबदबा बनाए रखा। शेखावत की प्रशासनिक क्षमता इतनी गजब रही कि, उन्होंने कभी किसी अफ़सर को शहर में हावी नहीं होने दिया। आज की जो भाजपा अफसरों के सामने नतमस्तक दिखाई देती है, कहते हैं कि, शेखावत का दौर इससे ठीक उलट था। अफसरशाही के खिलाफ आज जो तेवर कैलाश विजवर्गीय के रहते हैं, उनमें साफतौर पर शेखावत के तेवरों का अक्स देखा जा सकता है। शेखावत जैसे नेता के भाजपा को अलविदा कहने से पार्टी में उनके समकालीन नेता और कार्यकर्ता आहत और उदास हैं। वे कहते हैं कि सोचा न था कि, ये दिन भी देखना पड़ेंगे।

भाजपा पर क्या असर होगा?

मालवांचल में करणी सेना और कांग्रेस की जुगलबंदी से पहले से परेशान शिवराज सरकार के लिए ठेठ राजपूत भंवरसिंह का रूठकर चले जाना, विधानसभा के चुनावी मैदान में क्या गुल खिलायेगा, यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन राजनीतिक विज्ञानियों का कहना है कि शेखावत मालवांचल में सिर्फ बदनावर के टिकट तक ही सीमित नहीं रहेंगे। वे पूरे मालवा-निमाड़ की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

भोपाल में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन रणदीप सुरजेवाला बोले

भाजपा सरकार ने संपत्ति बेचकर लिया कर्ज

भोपाल। *भोपाल के रवींद्र भवन में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मेलन हो रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रदेश भाजपा और शिवराज सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा लिए गए कर्ज पर कहा कि प्रदेश की संपत्ति बेचकर साढ़े 18 साल में 4,22,000 हजार करोड़ का कर्ज ले लिया। इस कर्ज को भाजपा वालों के बाप चुकाएंगे या दादा चुकाएंगे।*

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, जिन्होंने कांग्रेस संगठन को प्रदेश में नया आयाम देकर पूरे देश में नया रास्ता दिखाया। आधा दर्जन प्रदेशों में पिछले 6 महीनों में मुझे जाने का मौका मिला। प्रदेश कांग्रेस की बैठक अक्सर होती हैं। जिसमें उपाध्यक्ष महासचिव और तमाम लोग रहते हैं। लेकिन, बहुत दिनों के बाद किसी प्रदेश के अध्यक्ष जो मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, युवक कांग्रेस में भी रहे, 50 साल का जिनका अपना तजुर्बा है। वो स्वयं पार्टी के लिए हार्ड वर्कर के तौर पर काम कर रहे हैं। आप लोग(ब्लॉक अध्यक्ष) कांग्रेस पार्टी की वह बुनियाद हैं जिस पर कांग्रेस पार्टी की इमारत साढ़े आठ करोड़ लोगों की सेवा अगली सरकार बनने पर करने वाले हैं। मैं पांच बातें कहने आया हूं। मैं स्वयं संगठन से निकला हूं। 35-36 साल से संगठन की ही राजनीति कर रहा हूं। मेरी आपसे पांच अपेक्षाएं क्या है। उन पर मैं चर्चा करूंगा। एक बार संगठन से ऊपर उठकर सोचिए। क्या आपको हम सब को दर्द नहीं होता। साढ़े 18 साल से जो व्यक्ति-पार्टी सत्ता पर काबिज है। आज वो चोरी की

सरकार बनाए हुए हैं। गद्दारों की सरकार बनाए हुए हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को कहा-धोखेबाज

मध्य प्रदेश के साढ़े आठ करोड़ लोगों ने कांग्रेस पार्टी को मैंडेट दिया। शिवराज सिंह चौहान ने कुछ विरोधियों से मिलकर सरकार बना ली। धोखे बाजों के सरदार शिवराज सिंह चौहान ने सरकार बना ली। ऐसी सरकार की विदाई का समय आ गया है। 18 साल में 30 हजार किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो गए। 38 हजार से ज्यादा महिलाओं से इस प्रदेश में बलात्कार हुए। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के जिले दतिया में दो नाबालिग बेटियों के साथ बलात्कार हुआ। गोविंदपुरा में गैंगरेप हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तुम्हें नींद कैसे आती है। तुम रात में कैसे सो सकते हो यार...। कमलनाथ जी ने आज बेटियों से वादे किए हैं कि अलग अदालत बनेगी जो केवल महिला अपराधों के मामले में दंड देगी। दूसरा आज लिखकर किया है वचन दिया है कि हर थाने के अंदर महिला अत्याचार के खिलाफ एक विशेष सेल बनेगी। अगर किसी ने बहन बेटी की तरफ आंख उठाकर देखा तो 12 घंटे में वह जेल की सलाखों के पीछे होगा।

कमलनाथ बोले- हमारा मुकाबला बीजेपी संगठन से

कमलनाथ ने कहा, कांग्रेस के लिए तो ऐतिहासिक दिन है। जिन्होंने कांग्रेस को जीवित रखा है, आप सब लोग यहां पर हैं। उन्होंने रणदीप सुरजेवाला से कहा- अगर कांग्रेस मध्यप्रदेश में जीवित है तो कमलनाथ के कारण जीवित नहीं हैं। जो सामने बैठे हैं उनके कारण जीवित है। आप हमारे संगठन की नींव हैं। चुनाव में हमारा मुकाबला बीजेपी से नहीं, हमारा मुकाबला उसके संगठन से है। हमें ये याद रखना है। आप कांग्रेस के हैं। यह बात याद रखिए। तीन-चार महीना में पूरी निष्ठा से कम किया तो कमलनाथ के कारण नहीं आपके कारण कांग्रेस की सरकार बनेगी। हम भूल जाते हैं कि हम कांग्रेस के हैं। हमें वह व्यक्ति ढूंढना है जो हमारे नजदीक नहीं है लेकिन जनता के नजदीक है। आप सब लोगों को वोटर लिस्ट पर पूरा ध्यान देना है। इन्होंने वोटर लिस्ट की राजनीति की है। कई लोगों के नाम काट दिए। 10 दिन के लिए सब छोड़ दीजिए। आप केवल वोटर लिस्ट पर ध्यान दीजिए। कौन से नाम गलत जुड़े हैं। प्रशासन भी समझ गया है कि क्या होने वाला है। आज बीजेपी के पास केवल पुलिस पैसा और प्रशासन है। पुलिस समझ गई है कि कमलनाथ 2018 के मॉडल नहीं है। कमलनाथ 2023 के मॉडल हैं। कमलनाथ ने कहा बीजेपी बहुत गर्म करेगी कि आज सूखा पड़ रहा है। यह सर्वे नहीं कर रहा है, ये मंदिर जा रहे हैं। बीजेपी की कलाकारी की राजनीति जनता को गुमराह करने की राजनीति से आपको सावधान रहना है। मैं आपसे कह रहा हूं कि 7 तारीख को हमारी भारत जोड़ो यात्रा की सालगिरह है। आप इसको जरूर मनाना।

175 का आंकड़ा भी पार हो सकता है

ऑब्जर्वर चंद्रकांत हंडोरे ने कहा, हमारा काम ऑब्जरवेशन करना है। पार्टी के प्रत्याशी की जीत कराने का काम आपके माध्यम से करना है। ब्लॉक अध्यक्ष पार्टी के बेस हैं। इन्होंने यदि सही ढंग से काम किया तो प्रदेश में 175 का आंकड़ा भी पार हो सकता है। आप लोगों से मेरा अनुरोध है कि गांव-गांव जाएं, नुक्कड़ सभाएं करें, आम जनता से मिले। कांग्रेस पार्टी के बारे में उनको समझाएं। उन्हें बताएं हमारी पार्टी सर्वधर्म समभाव को मानने वाली है। राहुल गांधी पार्टी के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। कमलनाथ जी आज देश की राजनीति कर सकते हैं। लेकिन, मध्यप्रदेश में हमारी आम जनता के सुख-दुख का विचार करके उन्होंने यही काम करने का निश्चय किया। हमें आशा है कि हमारे वरिष्ठ नेता उनके नेतृत्व में प्रदेश की जनता सुख और समृद्धि की ओर जाएगी। पिछले 9 साल से केंद्र में जो सरकार है वह जातिवाद और धर्मवाद को बढ़ावा दे रही है। जुमलेबाज सरकार है। जिन्होंने कहा था 15 लाख हम आपकी जेब में डालेंगे, भ्रष्टाचार मुक्त भारत करेंगे सारी घोषणाएं हवा में ही उड़ गई।

हर कार्यकर्ता को मिलेगा मेहनत का फल

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, मैं कमलनाथ जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मंडल सेक्टर की जो संरचना संगठन की बनाई उसका आने वाले समय में पार्टी को लाभ मिलेगा। आज पूरे प्रदेश में जनसैलाब दिख रहा है। इसमें नौजवान अध्यक्ष कमलनाथ का बहुत बड़ा योगदान है। नौजवान इसलिए क्योंकि मन से बुजुर्ग नहीं होता। कमलनाथ जी आज भी सुबह से लेकर रात को 10-11 बजे तक हर आदमी छोटे-छोटे पार्षद तक के कार्यकर्ताओं से मिलते हैं। पिछली बार 2 सरकार बनी। आप लोगों के खून पसीने मेहनत के बल पर बनी थीं। 15 महीने जब हमारी सरकार बनी थी तो जो आप लोगों के लिए करना चाहिए था वो नहीं कर पाए। हमें कम समय मिल पाया। लेकिन, आप लोग ध्यान रखें कि इस बार मेहनत का प्रतिफल हर कार्यकर्ता को मिलेगा।

प्रदेश की संपत्ति बेचकर लिया कर्ज

18 साल बहनों के लिए कुछ किया नहीं। अब मध्यप्रदेश की संपत्ति गिरवी रखकर बहनों को झूठ के 1000 रुपए भेज रहे हैं। उन्हें झूठ के 1000 नहीं, सच के 1500 रुपए चाहिए। प्रदेश की संपत्ति बेचकर साढ़े 18 साल में 422000 करोड़ का कर्ज ले लिया। भाजपा वालों के बाप चुकाएंगे या दादा चुकाएंगे। यह कर्ज आपको और मुझे हम सब को चुकाना पड़ेगा। गांव में कहा जाता है कि कर्ज लेकर जो वापस न दे उसे गांव निष्कासित कर देते हैं। शिवराज तो तनख्वाह भी कर्ज लेकर दे रहे हैं। इस आदमी को जल्दी निकालो वरना यह पूरे प्रदेश को बेच देगा। यह लोग आदिवासी भाइयों के ऊपर पेशाब करते हैं। दलित अत्याचार में मध्य प्रदेश नंबर वन है। बाल अपराधों में नंबर वन प्रांत बन गया है।

जन आशीर्वाद यात्रा का निमंत्रण मिलने पर उमा का छलका दर्द

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ कर दिया है। इस यात्रा में पूर्व सीएम उमा भारती को नहीं मिलने पर उनका दर्द छलका है। उमा ने कहा कि अब यदि मुझे निमंत्रण दिया गया तो भी मैं कही नहीं जाऊंगी। ना प्रारंभ में ना 25 सितंबर के समापन समारोह में शामिल होंगी। पूर्व सीएम उमा भारती ने सोमवार को फिर ट्वीट कर कहा कि रविवार को तीन बाते बहुत चर्चा में आ गई। पहली उम्मीदवारों की सूची, जिस पर मैंने वस्तुस्थिति बता दी। दूसरी मुझे जन आशीर्वाद यात्रा के प्रारंभ में निमंत्रण नहीं मिला। यह सच्चाई है कि ऐसा मैंने कहा है कि लेकिन निमंत्रण मिलने या ना मिलने से मैं कम ज्यादा नहीं हो जाती। हां, अब यदि मुझे निमंत्रण दिया गया तो मैं कही नहीं जाऊंगी। ना प्रारंभ में ना 25 सितंबर के समापन समारोह में। उमा भारती ने आगे कहा कि मेरे मन में शिवराज जी के प्रति सम्मान एवं उनके मन में मेरे प्रति स्नेह की डोर अटूट और मजबूत है। उमा भारती ने कहा कि शिवराज जी जब और जहां मुझे चुनाव प्रचार करने के लिए कहेंगे मैं उनका मान रखते हुए उनकी बात मानकर चुनाव प्रचार कर सकती हूं।

हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रसे तैनात करेगी खास कार्यकर्ता

भोपाल। कांग्रेस इस बार विधानसभा चुनाव में जीत के लिए एक साथ कई रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत कमलनाथ ने प्रत्याशियों को कई तरह की मदद देने का प्लान बनाया है। इसमें हर क्षेत्र में ऐसे एक -एक सैकड़ा कार्यकर्ता की भी तैनाती की योजना है। यह वे कार्यकर्ता होंगे जिन्हें प्रदेश स्तर से भेजा जाएगा। यह वे कार्यकर्ता होंगे, जिन्हें न केवल सोशल मडिया में महारत हासिल होगी, बल्कि उन्हें राजनैतिक समझ भी होगी। यही कार्यकर्ता प्रदेश संगठन के लिए चुनावी फीडबैक देने का भी काम चुनाव के समय करेंगे। इससे यह तो तय है कि इस बार कांग्रेस भी चुनाव प्रचार के दौरान सोशल मीडिया का जमकर उपयोग करेगी। इसके लिए पार्टी ने प्रदेश स्तर पर एक वॉर रुम भी तैयार कर लिया है। पार्टी द्वारा जिन कार्यकर्ताओं को तैनात किया जाना है उन्हें, कमल नाथ के स्पेशल-100 का नाम दिया गया है। इनका काम प्रत्याशी और पार्टी का प्रचार सभी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर सूचनाएं प्रसारित करने से लेकर फीडबैक जुटाने का होगा। पार्टी का आइटी विभाग विभिन्न मुद्दों को लेकर वीडियो भी तैयार करवा रहा है, जिन्हें प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही प्रसारित किया जाने लगेगा। वहीं, विभाग की एक टीम केवल भाजपा द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों का अध्ययन करके उसका तोड़ निकालने के लिए तैयार की गई है। विभाग के अध्यक्ष अभय तिवारी का कहना है कि ये स्पेशल-100, प्रत्याशी कोई भी हो, उसके लिए काम करेंगे।

इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म का उपयोग पार्टी की बात आमजन तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा। प्रत्याशी की ओर से सामग्री पोस्ट करने का काम यह कार्यकर्ता करेंगे। फिर उस पर मिलने वाला फीडबैक संगठन तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस द्वारा घोषित होने वाले वचन पत्र, प्रमुख नेताओं की सभा, रोड शो सहित अन्य कार्यक्रमों की लिंक साझा करने के साथ ही समय-समय पर पार्टी की रीति-नीति से जुड़े वीडियो प्रसारित किए जाएंगे। ये सभी सामग्री राज्य स्तर से उपलब्ध कराई जाएगी ,ताकि एकरूपता रहे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग अध्यक्ष केके मिश्रा का कहना है कि भाजपा द्वारा जो भी मुद्दा उठाया जाएगा, उस पर पलटवार होगा। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने एक टीम तैयार की है, जो प्रमाणिक तथ्य उपलब्ध कराएगी।

तेज हुआ सोशल मीडिया पर वॉर- विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही भाजपा-कांग्रेस में सोशल मीडिया वॉर भी तेज हो गया है। दोनों पार्टियों के आईटी वॉर रूम में एक्सपर्ट घंटों एक-दूसरे के खिलाफ मुद्दे खोजकर वीडियो और मैसेज तैयार कर रहे हैं। यही नहीं, पार्टी की गतिविधियों को भी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को रोजाना सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

Bollywood Update

पावरहाउस सेलिब्रिटीज जो इंस्टाग्राम पोस्ट से कमाते हैं करोड़ों रुपये

सोशल मीडिया के प्रभुत्व वाली दुनिया में, प्रसिद्धि और कामयाबी ने एक नया रूप ले लिया है! जहां इन्फ्लुएंसर्स और टिकटोकर्स ने हाल के वर्षों में अपार फॉलोअर्स अर्जित किए हैं वहीं मशहूर सेलिब्रिटीज भी इस दौड़ में सहजता से शामिल हो गई हैं। मशहूर सेलिब्रिटीज अब सिल्वर स्क्रीन तक ही सीमित नहीं हैं, उन्हें इंस्टाग्राम के रूप में आकर्षक मंच मिल गया है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि जाने माने सितारें एक इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए कितनी राशि लेते हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनास हमारी प्यारी देसी गर्ल, प्रियंका चोपड़ा जोनास को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। इस अभिनेत्री ने अपनी असाधारण बहुमुखी प्रतिभा से बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों को गौरवान्वित किया है। अंतरराष्ट्रीय इमेज और 88 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम यूजर्स के विशाल फैन बेस के साथ प्रियंका हर सोशल मीडिया पोस्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मांग रखतीं हैं, और प्रत्येक पोस्ट शेरिंग से वह जो प्रभाव पैदा करती हैं वह इंटरनेट-ब्रेकिंग से कम नहीं है।

श्रद्धा कपूर

इस सूची में शक्ति कपूर की लाडली बेटी श्रद्धा कपूर भी हैं। बॉलीवुड की यह चुलबुली अभिनेत्री अपनी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से हमें मंत्रमुग्ध कर देती है और सोशल मीडिया पर लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध करती रहती है। इंस्टाग्राम पर 80 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, इस प्लेटफॉर्म से उनकी अनुमानित कमाई 1.5 करोड़ तक पहुंच गई है।

आलिया भट्ट

इसके बाद लिस्ट में है, खूबसूरती की देवी, आलिया भट्ट। इस युवा अभिनेत्री ने खूब प्रसिद्धि हासिल की है और सोशल मीडिया पर इसका बहुत बड़ा फैन बेस है। उनके अनुयायी, उनके निजी जीवन, फैशन और फिटनेस की झलक पाने के लिए उत्सुक हैं और उनकी हर पोस्ट पर नजर रखते हैं। इंस्टाग्राम पर 77 मिलियन फॉलोअर्स के साथ, आलिया प्रत्येक प्रायोजित पोस्ट के लिए 1 करोड़ की फीस लेती है।

दीपिका पादुकोन

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। निर्माता और निर्देशक अपनी फिल्म में उनकी उपस्थिति के लिए होड़ कर रहे हैं, और ब्रांड्स इंस्टाग्राम पर उनके साथ जुड़ने लिए समान रूप से उत्साहित रहते हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के चयन में दीपिका की सूझबूझ के कारण उन्हें अच्छी खासी फीस मिलती है। बताया गया है कि वह अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रत्येक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए लगभग 1.5 करोड़ रुपये की मांग करती हैं।

रूबीना ने फाइनली अपनी प्रेग्नेंसी कर दी जानकारी

पिछले कुछ महीनों से ऐसी अटकलें चल रही हैं कि टीवी एक्ट्रेस, रूबीना दिलैक और उनके एक्टर हसबैंड अभिनव शुक्ला जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने साल 2018 में शादी की थी और अब ऐसा सच में लग रहा है कि पांच साल की मैरिड लाइफ एंजॉय करने के बाद अभिनव और रुबीना के घर कथित तौर पर किलकारी गूंजने वाली है। दरअसल एक्ट्रेस ने खुद इनडायरेक्टली इसे कंफर्म किया है। हालांकि ना तो रुबीना और न ही अभिनव ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबरों पर कोई रिएक्शन दिया है लेकिन रुबीना के एक लेटेस्ट वीडियो से हिंट मिल गया है कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं। कुछ दिन पहले, रूबीना ने अपने व्लॉग पर अमेरिका की अपनी सिंगल जर्नी का एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में एक्ट्रेस ने शुरुआत से लेकर अपने सफर की झलकियां दीं। एक सेगमेंट में जब रूबीना अपनी फ्लाइट पकड़ने के लिए तैयार हुई तो उन्होंने अपनी एक झलक दिखाई और इस दौरान एक्ट्रेस के बेबी बंप नजर आया हालांकि इसे उन्होंने अपने हाथ से छुपा लिया। बाद में जब रूबीना अमेरिका के लिए फ्लाइट में चढ़ीं तो उन्हें अपना बैग प्लेन की ऊपरी कैबिनेट पर रखते हुए देखा गया। बैग रखते वक्त उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा था। रूबीना की लेटेस्ट झलक ने उनके फैंस को खुश कर दिया है। वहीं खबरें ये भी है कि रूबीना दिलैक चार महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट हैं।

इन पोषक तत्वों के बिना सिर से लेकर पांव तक हिल सकता है पूरा शरीर

सेहतमंद रहना बहुत मुश्किल काम नहीं है। बस आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है और आप हमेशा हेल्दी रहेंगे। इन्हीं बातों में से एक है आपके खाने में कुछ पोषक तत्वों का शामिल होना। दरअसल, ये पोषक तत्व आपके शरीर के हर एक अंग के लिए अलग से काम करते हैं। इसे ऐसे समझें कि अगर आपके शरीर में पानी नहीं होता तो ब्लड सर्कुलेशन ही नहीं कई अंग खराब हो सकते हैं। तो, बिना प्रोटीन शरीर कमजोर हो सकता है। इसी तरह बिना सोडियम ब्रेन काम नहीं करेगा और कैल्शियम के बिना आपकी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। इसी तरह तई ऐसे न्यूट्रिएंट्स यानी पोषक तत्व हैं जिन्हें आपके खाने में होना बेहद जरूरी है।

भोजन के पोषक तत्व

कार्बोहाइड्रेट

आमतौर पर हम सभी लोगों के खाने का एक बड़ा हिस्सा कार्ब्स से भरपूर है। कार्ब्स यानी कार्बोहाइड्रेट जो हमारे शरीर की ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत हैं। जब हम चावल, रोटी नूडल्स जैसे अनाज खाते हैं तो कार्ब्स निकलता है। इसके अलावा, फल, जड़ वाली सब्जियां, सूखी फलियां और डेयरी उत्पादों में भी कार्बोहाइड्रेट होते हैं। तो, शरीर को एनर्जी देने के लिए कार्ब्स खाना जरूरी है।

प्रोटीन

शरीर में हार्मोनल फंक्शन, ब्रेन के साथ शरीर की बातचीत, शरीर के टिशूज का निर्माण, मरम्मत और रखरखाव के लिए प्रोटीन का होना बेहद जरूरी है। यहां तक कि इसकी कमी से आपके बाल तक झड़ सकते हैं। तो, मांस, मछली, समुद्री भोजन, अंडे, डेयरी उत्पाद और ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें और प्रोटीन की कमी से बचें।

फैट-

आपको लगता होगा कि फैट तो सिर्फ मोटापा बढ़ाता है और इसका कोई और काम ही नहीं हैं। बल्कि, आपके शरीर के कई सेल्स और तमाम टिशूज और हड्डियों के बीच नमी बनाए रखने के लिए फैट जरूरी है। साथ ही से एनर्जी का भी सोर्स है। फैट ज्यादा ठंड मौसम में शरीर को गर्म रखते हैं और अंगों को किसी नुकसान से बचाते हैं। ये हमारे शरीर की कोशिकाओं का हिस्सा बनाने और विटामिन ए, डी, ई और के जैसे वसा में घुलनशील विटामिन के मूवमेंट के लिए जरूरी हैं। तो, घी, डेयरी उत्पाद, नट्स, बीज और तेल जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

फाइबर

फाइबर पौधे में पाया जाने वाला अपाच्य भाग है। मतलब, ये आपके शरीर द्वारा पचाया तो नहीं जा सकेगा पर इसके साथ कई साथ शरीर के टॉक्सिन बाहर आ सकते हैं। ये पेट और आंतों के काम काज के लिए जरूरी है। ये ब्लड शुगर को स्थिर करने, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और कब्ज को रोकने में मदद करता है। इसके मोटे अनाज और रेशेदार फल और सब्जियों को सेवन करें।

बाजरा सेहत के लिए अच्छा होता है

बाजरा मोटे अनाज हैं जो 5000 वर्षों से अधिक समय से भारतीय उपमहाद्वीप में पारंपरिक रूप से उगाए और खाए जाते हैं। इनमें उच्च पोषण मूल्य होता है और ये प्रोटीन, विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर होते हैं। बाजरा की अत्यधिक सामर्थ्य भी उन्हें गरीब आदमी का खाद्यान्न के रूप में टैग करती है। बाजरा में आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं। उन्हें पचने में समय लगता है, जिससे आसानी से पचने योग्य भोजन से जुड़े रक्त शर्करा में वृद्धि नहीं होती है। इसलिए अपने आहार में बाजरा शामिल करने से इसी कारण से मधुमेह को नियंत्रित करने में मदद

डॉ. अशोक झिंगन

मिल सकती है।

-बाजरा विभिन्न आकार और साइज में आते हैं।

बाजरा के प्रकार

फॉक्सटेल बाजरा

फॉक्सटेल बाजरा, या स्वदेशी रूप से काकुम / कांगनी कहा जाता है। इसमें मौजूद आयरन और कैल्शियम की मात्रा इम्यूनिटी को मजबूत करने में भी मदद करती है। इसके अलावा, फॉक्सटेल बाजरा आपके रक्त कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने और आपके शरीर में एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

बाजरा/रागी

रागी बाजरे का अधिक सामान्य नाम है। इसका उपयोग चावल और गेहूं के स्वास्थ्यवर्धक अनाज विकल्प के रूप में किया जाता है। रागी ग्लूटेन-मुक्त और प्रोटीन से भरपूर है। माना जाता है कि रागी बढ़ते बच्चों के मस्तिष्क के विकास में सहायता करता है।

बाजरा/बाजरा

बाजरा अविश्वसनीय रूप से पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम, प्रोटीन, फाइबर और आयरन जैसे खनिज होते हैं। टाइप 2 मधुमेह से लड़ने के लिए बाजरे का नियमित सेवन करें।

एक प्रकार का अनाज

कुट्टू एक प्रकार का बाजरा है। यह वजन घटाने के लिए अच्छा है। यह मधुमेह के लिए एक स्वस्थ भोजन विकल्प है, रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है।

थोड़ा बाजरा

वजन कम करने की चाह रखने वालों के लिए छोटा बाजरा भी एक उत्कृष्ट विकल्प है। आप इसे चावल के विकल्प के रूप में खा सकते हैं। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है और यह पोटेशियम, जिंक, आयरन और कैल्शियम जैसे कई खनिजों से भरा होता है। यह विटामिन बी के स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर है और आपके शरीर के लिए एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है।

बाजरा के स्वास्थ्य लाभ

बाजरा फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, तांबा और मैंगनीज जैसे कई लाभकारी पोषक तत्वों से भरपूर है। निम्नलिखित लाभ प्राप्त करने के लिए इन्हें अपने आहार में शामिल करें।

बाजरा वजन घटाने में सहायता करता है

बाजरा में कैलोरी की मात्रा कम होती है और यह वजन घटाने के लिए एक उत्कृष्ट खाद्य उत्पाद है। यह उन्हें लगातार ईंधन भरने के लिए कुछ खाए बिना पूरे दिन अपना ऊर्जा स्तर बनाए रखने में मदद करता है।

अन्य कार्बोहाइड्रेट की तुलना में बाजरा आपको अधिक समय तक तृप्त रखता है। जब आप इनका सेवन करते हैं, तो आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है क्योंकि इन्हें पचने और आपके शरीर में अवशोषित होने में समय लगता है। यह स्नैकिंग और ओवरईटिंग को रोकता है।

बाजरा आपके रक्त शर्करा के स्तर को कम रखता है

बाजरे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इसलिए, मधुमेह के विकास के जोखिम को कम करने के लिए नियमित रूप से बाजरा का सेवन करें।

बाजरा आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है

बाजरा प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत प्रदान करता है और हमारी प्रतिरक्षा को विकसित और मजबूत करने में मदद कर सकता है। मजबूत प्रतिरक्षा का मतलब है कि आपको बीमारियों की चपेट में आने की कम संभावना है।

बाजरा हृदय संबंधी जोखिमों को कम करता है

बाजरा में आवश्यक वसा होती है, जो हमारे शरीर को अच्छी वसा प्रदान करती है जो अतिरिक्त वसा के भंडारण को रोकती है और साथ ही उच्च कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक और अन्य हृदय संबंधी शिकायतों के जोखिम को प्रभावी ढंग से कम करती है।

बाजरे में मौजूद पोटेशियम सामग्री आपके रक्तचाप को नियंत्रित करती है और आपके संचार प्रणाली को अनुकूलित करती है।

बाजरा अस्थमा से बचाता है

बाजरे में मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा आपको बार-बार होने वाले माइग्रेन के अनुभव को कम कर सकती है। यह आपकी अस्थमा की शिकायतों की गंभीरता को भी कम कर सकता है।

इसका कारण यह है कि, गेहूं के विपरीत, इनमें एलर्जी पैदा करने वाले तत्व नहीं होते हैं जो अस्थमा और घरघराहट का कारण बनते हैं।

बाजरा एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है

बाजरा अपने एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण आपके शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है; क्वेरसेटिन, करक्यूमिन, एलाजिक एसिड और अन्य मूल्यवान कैटेचिन आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालते हैं और एंजाइमैटिक को बेअसर करते हैं।

आपके अंगों की गतिविधियां

बाजरा को अपने आहार में शामिल करने के कई तरीके हैं। आप इस खाद्यान्न का उपयोग अनाज के विकल्प के रूप में कर सकते हैं, दलिया बना सकते हैं, इसे कपकेक में डाल सकते हं -

सावधानियां

बाजरा का अत्यधिक सेवन आपकी पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे सूजन, कब्ज हो सकता है और थायराइड गतिविधि को दबाने के साथ-साथ आयोडीन की कमी हो सकती है। आप बाजरे को रात भर कमरे के तापमान पर भिगोकर, फिर पकाने से पहले इसे सूखाकर और धोकर इसमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा को काफी कम कर सकते हैं।

अंकुरण से प्रतिपोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है।

अप्रिय दुष्प्रभाव

यौगिकों में से एक फाइटिक एसिड पोटेशियम, कैल्शियम, आयरन, जिंक के साथ हस्तक्षेप करता है। हालाँकि, संतुलित आहार लेने वाले व्यक्ति को प्रतिकूल प्रभाव का अनुभव होने की संभावना नहीं है।

गोइट्रोजेनिक पॉलीफेनोल्स नामक अन्य एंटीन्यूट्रिएंट्स थायरॉइड फ़ंक्शन को ख़राब कर सकते हैं, जिससे गोइटर हो सकता है - आपकी थायरॉयड ग्रंथि का विस्तार जिसके परिणामस्वरूप गर्दन में सूजन हो जाती है। फिर भी, यह प्रभाव केवल अतिरिक्त पॉलीफेनोल सेवन से जुड़ा होता है

जिन लोगों की गैस्ट्रिक एसिडिटी कम है, कोलन में सूजन है और हाइपोथायराइड के रोगियों को बाजरा खाने से बचना चाहिए।

डीएवीवी में डिग्री वैरिफिकेशन के आवेदन हुए दोगुना

फर्जी गिरोह पकड़ाने के बाद प्रतिदिन आ रहे 25 से ज्यादा आवेदन

इंदौर। फर्जी डिग्री बनाने वाला गिरोह पकड़ने के बाद देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में डिग्री वेरिफिकेशन के लिए आवेदन अचानक बढ़ गए हैं। पहले जहां लगभग 10 आवेदन रोज आते थे वहीं अब इनकी संख्या 25 से अधिक हो गई है। देश के अलग-अलग राज्यों, शहरों से यूनिवर्सिटी, कंपनियां डिग्री वेरिफिकेशन के लिए संपर्क कर रही हैं। डिग्री वेरिफिकेशन के आवेदन विदेशों से भी आ रहे हैं। इंदौर सहित देश के कई इलाकों में फर्जी डिग्री के मामले सामने आ चुके हैं। इसी चलते कंपनियां अब अपने यहां पर कर्मचारी की नियुक्त करने के साथ ही उसकी डिग्री की भी जांच करवा लेते हैं। कहीं उसने फर्जी डिग्री या मार्कशीट दिखाकर नौकरी तो नहीं पाई है।

यूनिवर्सिटी सूत्रों के अनुसार ई-मेल या फिर अन्य जरियों से अपने यहां के कर्मचारियों की डिग्री के वेरिफिकेशन के लिए आवेदन आते हैं। इस आवेदन के आधार पर डीएवीवी सत्यापन कर बताता है कि डिग्री सही है कि नहीं। पहले एक दिन में आठ से दस आवेदन आते थे, अब इनकी संख्या 25 से ज्यादा हो गई। इसके चलते विश्वविद्यालय का काम भी बढ़ गया है।

ये प्रक्रिया अपनाती है यूनिवर्सिटी- बताया जा रहा है कि यूनिवर्सिटी के पास में रिकॉर्ड रहता है। कोई भी आवेदन करता है तो विश्वविद्यालय उससे करीब पांच सौ रुपए का चार्ज लेता है। इसके बाद संबंधित विभाग के पास में मामला भेजा जाता है। वह अपने रिकॉर्ड के आधार पर इसे चेक करता है। इसके बाद सील बंद लिफाफे से या फिर उसकी कापी को स्कैन करने ई- मेल पर संबंधित को भेज दी जाती है। सबसे ज्यादा फर्जी डिग्री नॉर्थ डिग्री वेरिफिकेशन के मामले नॉर्थ ईस्ट राज्यों व ओडिशा से आ रहे हैं। वहां कई लोगों के पास डीएवीवी की डिग्री मिली है। इसके चलते डीएवीवी के निर्धारित मापदंडों के आधार पर डिग्री का वेरिफिकेशन कर जानकारी संबंधित यूनिवर्सिटी या कंपनियों को भेजी जा रही है। नॉर्थ ईस्ट के कई मामले में डिग्री फर्जी निकलती है। उन मामलों को पुलिस को सौंप दिया जाता है।

इंदौर पुलिस ने पकड़ा है गिरोह- हाल ही में इंदौर पुलिस ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह 30 हजार से 1 लाख रुपए में डॉक्टर सहित अन्य कोर्स की फर्जी डिग्री बनाकर बेचते थे। अब तक गिरोह के सदस्य 10वीं, 12वी, डी फार्मा, बी फार्मा, डॉक्टर सहित अन्य कोर्स की डिग्रियां बनाकर दे चुके हैं। इसमें मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान सहित कई राज्यों के शिक्षा बोर्ड और यूनिवर्सिटी के नाम से एक हजार से ज्यादा मार्कशीट हैं।

यूनिवर्सिटी ने अपनाए सिक्युरिटी फीचर -फर्जी डिग्री के कुछ मामले सामने आने के बाद डीएवीवी ने अपनी जारी की जाने वाली डिग्रियों में कई सिक्यूरिटी फीचर जोड़े हैं। डिग्री अलग प्रकार के विशेष कागज पर प्रिंट होने के साथ ही उस पर बार कोड है। यूनिवर्सिटी या कंपनियां बार कोड के माध्यम से भी डिग्री सत्यापन कर सकती हैं। डीएवीवी की डिग्री को कॉपी नहीं किया जा सकता है। इसके लिए डिग्री पर एक ऐसा स्पेशल कोड डाला गया है, जिससे डिग्री की कलर कॉपी करने पर उस पर फोटोकॉपी लिखा हुआ प्रदर्शित हो जाता है।

एमवाय अस्पताल के फिजियोथैरेपी विभाग में आधुनिक मशीनों की कमी

मजबूरी में मरीजों को प्राइवेट सेंटरों का करना पड़ रहा रुख

इंदौर। फिजियोथेरेपी बिना दवाई खाए बीमारी ठीक करने की पद्धति है, लेकिन इसके लिए मशीनों की भी आवश्यकता होती है। वर्तमान में सैकड़ों आधुनिक मशीनें भी लांच हो चुकी है। हालांकि इन मशीनों को खरीदने के लिए सरकार और एमवाय अस्पताल प्रशासन के पास राशि नहीं है।

जानकारी अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग के पास रुपया नहीं होने के कारण गरीब मरीजों को माकूल उपचार नहीं मिल पा रहा है। फिजियोथेरेपी विभाग में कसरत और अन्य प्रकार से उपचार होता है, लेकिन एमवाय अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग में अत्याधुनिक मशीनों का अभाव है। इस कारण मरीजों को प्राइवेट फिजियोथैरेपी सेंटर का सहारा लेना पड़ता है। यह विभाग माहसी के अधीन आता है, जबकि माहसी लाखों रुपए साल छात्रों से फीस के रूप में लेता है। इतना रुपया होने के बाद भी मशीन जो खराब पड़ी है उसे भी ठीक नहीं करवा पा रहा है तो फिर नई मशीन कहां से लाएगा।

वैकल्पिक व्यवस्था की दरकार-यहां आने वाले मरीजों ने यह सुना है कि कैंसर अस्पताल की धर्मशाला को स्वयंसेवी संस्था है सवारेंगी तब से ही मरीज कह रहे हैं कि फिजियोथैरेपी विभाग पर भी इन स्वयंसेवी संस्थाओं को ध्यान देना चाहिए ताकि यहां जिन मशीनों का अभाव है वह मशीनें इन संस्थाओं के सहयोग से आ सकें।

इन मशीनों की जरूरत-मरीजों की संख्या अधिक होने से इन मशीनों की अति आवश्यकता है शॉर्ट वेव, डायथर्मी, अल्ट्रासोनिक मशीन, आईएएस टेंस मशीन, लेजर मशीन।

शिक्षा विभाग के आदेश से पसोपेश में टीचर

मध्याह्न भोजन बनता ही नहीं तो भी लें फूड लाइसेंस

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग के एक आदेश से इन दिनों शहर के टीचर पसोपेश में हैं। इसमें सभी सरकारी स्कूलों को खाद्य विभाग से फूड लाइसेंस लेने के लिए कहा गया है। इसके बाद शहरी क्षेत्र के स्कूलों के टीचर सोच रहे हैं कि जब उनके स्कूल में मध्याह्न भोजन बनता ही नहीं तो उन्हें फूड लाइसेंस लेने की क्या जरूरत। सिर्फ इतना ही नहीं मध्यान्ह भोजन योजना प्राथमिक स्कूलों के लिए है, हायर सेकंडरी में तो बंटता भी नहीं फिर भी उन्हें लाइसेंस लेना है। जानकारी अनुसार इस आदेश को अति आवश्यक श्रेणी में डालकर स्कूलों पर पहुंचाया गया है। इस आदेश के तहत समस्त हाई स्कूल, हायर सेकंडरी प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों को लाइसेंस लेना है। इसके लिए एक प्रारूप तैयार किया गया है। इस के तहत अपना मोबाइल नंबर फोटो और 100 रुपए शुल्क जमा कर लाइसेंस लेना है। यह पंजीयन ऑनलाइन किया जाएगा जो कि तीन दिनों में सभी को करवाना अनिवार्य है। इसकी जानकारी सभी बीआरसी और जनशिक्षक को स्कूल तक पहुंचानी है। इसमें यह भी बताया गया है कि व्यापार के प्रकार कॉलम में स्कूल मध्याह्न भोजन अंकित करना है। यह बीईओ और बीआरसी की जिम्मेदारी होगी कि तीन दिनों के अंदर सारे पंजीयन पूरे करवा लें। अगर किसी को परेशानी हो तो वह दिए गए नंबर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी से सहयोग लेकर अपना काम कर सकता है। विभाग ने यह आदेश तो जारी कर दिया, लेकिन इसमें कई समस्याएं हैं। शहरी क्षेत्र में मध्याह्न भोजन नहीं बनता है वहां पर एनजीओ को ठेका दिया गया है। वही खाना स्कूलों में सप्लाय करते हैं। सिर्फ ग्रामीण इलाकों में रसोई है। इतना ही नहीं हाई स्कूल और हायर सेकंडरी में तो मध्याह्न भोजन मिलता ही नहीं है। फिर वह लोग अपना पंजीयन क्यों कराएं यह शिक्षकों को समझ नहीं आ रहा है। वहीं दिए गए प्रारूप में खाद्य कारोबारी का नाम देना है जहां से सामग्री खरीदी जा रही है।

भाजपा सरकार के झूठ के छलावे की निकली हवा, लाखो हितग्रही हो रहे परेशान..

शिवराज सरकार ने लाड़ली बहना की चमक दिखा सामाजिक पेंशन से खींचा हाथ

इंदौर। चुनावी रंग में डूबी शिवराज सरकार ने प्रदेश की माली हालत पूरी तरह खस्ता कर दी आज मध्यप्रदेश सरकार पर 3-30 लाख करोड से अधिक का कर्ज हो गया है। प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो गई है।

इसके विपरित शिवराज सरकार पुनः सत्ता में वापसी को लेकर हर दिन नई चुनावी घोषणा और रेवड़ियां बाटने में व्यस्त है जबकि पुरानी योजनाओं में पैसा देने के लिए सरकार के पास राशि उपलब्ध नहीं वही कई योजनाओं में जिसमे केंद्र सरकार से पैसा आता था वह भी बंद हो गया है। इंदौर शहर की ही 2 लाख 2 हजार से अधिक सामाजिक पेंशन हित ग्रहि पिछले 3 माह से जिला और नगर निगम प्रशासन के चक्कर काट काट कर परेशान हो गए है।

सामाजिक पेंशन हितग्राहियो की और से शिवराज सरकार पर करारा हमला बोलते हुए विधयाक संजय शुक्ला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्डा, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला, प्रदेश सचिव राजेश चौकसे, इंदौर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे, गिरधर पटेल, संभागीय नागर, अफसर प्रवक्ता अमित कुमार चौरसिया, ने कहा की एक और शिवराज सरकार ने लाडली बहना योजना की शुरुआत कर पूरे प्रदेश में इसके प्रचार प्रसार में करोड़ों रुपया फूंक दिया। वही राज्य और केंद्र शासन से जरूरत मंद जनता को मिलने वाली विभिन्न पेंशेनो में पिछले तीन माह से भी अधिक हो गए है राशि नही डाली गई जिसके चलते लाखो लोग जो सामाजिक पेंशन पर आश्रित थे उनका जीवन कठिन हो गया है।

कांग्रेस नेताओ ने आरोप लगाते हुए कहा की डबल इंजन की सरकार पूरी विफल हो गई है राज्य और केंद्र शासन से सामाजिक पेंशन के तहत वृद्धाव्यवस्था, दिव्यांग निः शक्तजन, मुख्यमंत्री कल्याणकारी योजना, इंद्रा गांधी विधवा प शान श ेष परित्यकता, अविवाहित, निराश्रित, मातृ वंदना योजना सहित अन्य योजनाओं में विगत 3 अथवा 6 माह से राशि नही डाली जा रही है। वही शिवराज सरकार लाडली बहना योजना का स्वांग रच इसके प्रचार प्रसार में लगी हुई है जबकि पहले से चल रही उक्त योजनाओं को नजरंदाज किया जा रहा है, जिसके चलते लाखो लोग जो इन योजनाओं पर आश्रित है उनका जीवन यापन दूरभर होगया है । जिसको लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल इंदौर कलेक्टर से मिलकर इंदौर शहर के 2 लाख 2 हजार हितग्राहियो की और से आपत्ति दर्ज करवाएगा। कांग्रेस नेताओ ने कहा की आज मध्य प्रदेश का हर व्यक्ति गवाह है, मध्य प्रदेश, मध्य प्रदेश नहीं रहा यह भ्रष्ट प्रदेश बन चुका है, घोटाला प्रदेश बन चुका है। पूरे प्रदेश में भाजपा की लूटो कमाओ योजना चल रही है, 50त कमीशन खोरी का मध्य प्रदेश का व्यक्ति या तो भ्रष्टाचार का गवाह है, या शिकार है। हर महीने नए-नए घोटाले सामने आते है। 250 घोटाले तो अब तक सामने आ गए हैं, अगले तीन-चार महीने में पता नहीं और कितने घोटाले सामने आते हैं। शिवराज सरकार की झूठ की मशीन घोषणाओं की मशीन डबल स्पीड से चल रही है, रोज कुछ ना कुछ घोषणाएं करते हैं क्योंकि यह जानते हैं कि 4 महीने बाद जनता हमें विदा करना चाहती है और यह रिपोर्ट कार्ड बनाते हैं, अभी 10 दिन पहले इन्होंने रिपोर्ट कार्ड बनाया तो हमने कहा रिपोर्ट %कार्ड नहीं रेट कार्ड बनाइयेगा, कि आप किस चीज का कितना पैसा लेते हैं, क्योंकि जनता आपका रेट जानना चाहती है 50त है या 60त कांग्रेस पार्टी शिवराज जी से पूछना चाहती है कि 3.30 लाख करोड रुपए का कर्ज लेकर आपने क्या किया आपने पिछले चार-पांच महीने में बड़े-बड़े ठेके दिए ताकि आपका कमीशन बन जाए जनता सब समझती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)